हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, सोमवार, 25 नवंबर 2024

मेट्रो सिटी

फडणवीस ने कांग्रेस के प्रफुल्ल को 39,000 से अधिक वोटों से हराया

नागपुर. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर दक्षिण पश्चिम सीट से विधानसभा चुनाव जीता है। उन्होंने कांग्रेस के प्रफुल्ल गुडहाड़े पाटिल को 39,710 मतों से हराया है। फडणवीस को 129401 वोट मिले, जबकि पाटिल को 89,691 वोट मिले। हालांकि, 2019 के चुनावों की तुलना में भाजपा के दिग्गज नेता की जीत का अंतर 9,643 वोट कम हुआ है। उन्होंने चौथी बार इस सीट से जीत दर्ज की है। यह फडणवीस की छठी विधानसभा चुनाव जीत है। 1999 और 2004 में उन्होंने नागपुर पश्चिम से जीत हासिल की थी।

अब तीनों दल मिलकर तय करेंगे सीएम: फडणवीस

गडकरी के आवास पहुंचे आशीर्वाद लेने

नागपुर.

विधानसभा चुनाव का परिणाम राज्य ही नहीं, जिले में भी चौंकानेवाला रहा। भाजपा महायुति ने दमदार प्रदर्शन किया। महाविकास आघाड़ी धराशायी हो गई। हालांकि कांग्रेस ने कुछ हद तक राहत की सांस ली। भाजपा के देवेंद्र फडणवीस दक्षिण पश्चिम नागपुर, चंद्रशेखर बावनकुले कामठी, प्रवीण दटके मध्य नागपुर, कृष्णा खोपड़े पूर्व नागपुर, मोहन मते दक्षिण नागपुर, समीर मेघे हिंगना, आशीष देशमुख सावनेर, चरणसिंह ठाकुर काटोल विधानसभा क्षेत्र में जीते हैं। शिवसेना शिंदे गुट के उम्मीदवार आशीष जयसवाल ने रामटेक सीट जीत ली है। कांग्रेस उम्मीदवार नितीन राऊत उत्तर नागपुर, विकास ठाकरे पश्चिम नागपुर व संजय मेश्राम उमरेड विधानसभा क्षेत्र में जीते हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की ऐतिहासिक जीत के बाद डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले और प्रवीण दटके, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के आवास पहुंचे। इस दौरान गडकरी और कंचन गडकरी ने तीनों को बधाई दी और उन्हें विजयी तिलक लगाया। फडणवीस ने नागपुर

एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान महायुति की इस जीत पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, "खुशी की बात है कि महाराष्ट्र की जनता ने खास तौर पर विदर्भ और नागपुर की जनता ने हमें प्रचंड आशीर्वाद दिया है। जो लोग बोल रहे थे कि हमारी विदर्भ और नागपुर में हार होगी, उन्हीं को हार का सामना करना पड़ा। मैं नागपुर की जनता के साथ विदर्भ और महाराष्ट्र की जनता का खासतौर पर धन्यवाद करना चाहता हूं।'

उन्होंने पत्रकारों से कहा, "ऐसा बोला जाता है कि भगवान और जनता जब देती है, तो छप्पर फाड़ के देती है, ऐसा ही आशीर्वाद इस बार जनता ने महायुति को दिया है। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं, खास तौर पर महाविकास आघाड़ी को उनकी हार पर फडणवीस ने कहा कि जिस तरह से उन्होंने हमें, व्यक्तिगत तौर पर, हमारे परिवार, भाजपा और महायुति को टारगेट किया है, जनता ने उन्हें उन्हीं की भाषा में जवाब दे दिया। हर एक पार्टी के कार्यकर्ताओं को लगता है कि हमारे ही पक्ष का नेता मुख्यमंत्री बने, लेकिन हम एकत्रित तौर पर जीते हैं, तो तीनों ही मिलकर तय करेंगे।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए फडणवीस ने कहा, "जिस प्रकार से इन लोगों ने हमें सिंगल आउट करके टारगेट किया, जिस प्रकार से रोज पीएम मोदी पर भद्दी बातें की, ये सारी चीजें लोगों को पसंद नहीं आई। लोगों का पीएम मोदी पर विश्वास और प्रेम है। लोगों ने हमारा काम देखा है। उन्होंने भाजपा को जैसे सिंगल आउट किया, मुझे जैसे सिंगल आउट किया, पीएम मोदी को सिंगल आउट किया और रोज इतनी गलियां बकीं तो उन्हें उसकी प्रतिक्रिया लोगों ने दे दी। राष्ट्रीय विचारों की जितनी संगठन है, वो सारी संगठन को इस सफलता का श्रेय जाता है।

नए मुख्यमंत्री के नाम पर कहा, यह वरिष्ठ नेता तय करेंगे

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने महाराष्ट्र चुनाव में बीजेपी की अगुवाई वाली महायुति को बम्पर बहुमत मिलने पर ख़ुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह अविश्वसनीय जीत है। इस परिणाम से यह साबित हो गया कि विपक्ष ने संविधान बदलने के लिए लोकसभा चुनाव के दौरान प्रोपेगेंडा फैलाया था। निंदा करने वालों को जवाब मिल गया। लोगों ने जाति, पंथ, भाषा से ऊपर उठकर वोट किया है। उन्होंने अभी महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री के नाम को लेकर कोई टिपण्णी करने से इंकार किया है । गडकरी ने शनिवार को नागपुर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया ने बता दिया है कि जनता विकास के समर्थन में है। इस जीत के लिए सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, डिप्टी सीएम अजित पवार, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को बधाई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भाजपा की सफलता हमारे लिए खुशी का पल है। चुनाव होते रहते हैं, जीत-हार होती है। कांग्रेस को और अधिक काम कर जनता का विश्वास अर्जित करना चाहिए।

निंदा करने वालों को जवाब मिल गया

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को अभूतपूर्व सफलता मिली है। विदर्भ और नागपुर में अच्छा समर्थन मिला है। इस चुनाव में यह साबित हो गया कि विपक्ष ने संविधान बदलने के लिए लगातार प्रोपेगेंडा फैलाया। आज का परिणाम से निंदा करने वालों को जवाब मिल गया। गडकरी ने कहा कि 'बटेंगे तो कटेंगे' भारतीय जनता पार्टी का चुनावी नारा नहीं था। योजना का फायदा मिला : गडकरी ने कहा कि लाड़की बहिन, किसानों, खेत मजदूरों, महिलाओं ने अच्छा मतदान किया, तो सारे रिकॉर्ड टूट गए। राज्य के लोगों में जोश तो दिखा, लेकिन असर इस कदर होगा, इसका विश्वास नहीं था।सरकार की अनेक योजनाओं का लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री पद को लेकर टिप्पणी करना उचित नहीं है। यह पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक तय करेंगे।

पांच साल बाद फिर एक बार विदर्भ बनेगा सत्ता का पावर सेंटर: फडणवीस

नागपुर. पांच साल बाद विदर्भ फिर एक बार सत्ता का पावर सेंटर बनने जा रहा है। नारी शक्ति ने महायुति को 'शक्ति' प्रदान की विदर्भ ने एक बार फिर साबित किया कि महाराष्ट्र में सत्ता का सिंहासन विदर्भ के रास्ते ही पाया जा सकता है। विदर्भ में महायुति ने 50 (एक सीट युवा स्वाभिमान पार्टी) सीटों पर शानदार जीत दर्ज की जबकि महाविकास आघाड़ी 12 सीटों पर ही सिमट गई। भाजपा की आंधी में विपक्ष सूखे पत्ते की तरह उड़ गया। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को भी मतदाताओं ने धूल चटा दी। मुख्यमंत्री पद के दावेदार नाना पटोले साकोली (भंडारा) से जैसे- तैसे चुनाव जीत पाए।

तिवसा (अमरावती) से स्वयं को भावी मुख्यमंत्री कहने वाली यशोमति ठाकुर के अरमान भी धरे के धरे रह गए। मतदाताओं ने यशोमति ठाकुर को चौथी बार तिवसा से विधानसभा भेजने से इनकार किया। मतगणना की पूर्व संध्या पर ' हमारे बगैर सरकार नहीं बनेगी' का बयान देने वाले कथित किंगमेकर बच्चू कडू को भी अचलपुर (अमरावती) से जनता ने घर भेज दिया। नागपुर जिले की छह सीटों पर वर्चस्व का दम भरने वाले पूर्व मंत्री सुनील केदार को भारी झटका लगा। केदार सावनेर विधानसभा सीट से सन 1995 से लगातार जीत दर्ज करते आ रहे हैं। इस बार उनकी जगह पत्नी अनुजा केदार मैदान में थीं। जिन्हें भाजपा के आशीष देशमुख ने पराजय का स्वाद चखा दिया।

बरसों पहले सुनील केदार ने सावनेर से ही आशीष के पिता रणजीत देशमुख को हराया था। वर्धा जिले में देवली से पांच बार जीतने वाले पूर्व मंत्री रणजीत कांबले को हार का मुंह देखना पड़ा। दूसरी ओर पिछली सरकार में मंत्री रहे बल्लारपुर (चंद्रपुर) से सुधीर मुनगंटीवार, अहेरी (गड़चिरोली) से धर्मरावबाबा आत्राम और दिग्रस (यवतमाल) से संजय राठोड एक बार फिर विधानसभा में नजर आयेंगे। नतीजों से साफ दिखायी दे रहा है कि भाजपा ने कांग्रेस के दिग्गजों को उनके घर में घेरने की रणनीति बनाई थी। जिसमे वह सफल रहे। विधानसभा चुनाव में 8 प्रत्याशी उतारने वाली शरद पवार की पार्टी राकांपा का विदर्भ में खाता भी नहीं खुल पाया।

मैं समुंदर हूं, लौटकर वापस आऊंगा" : पिछले ढाई साल से तोड़फोड़ की राजनीति का आरोप झेल रहे और 'विलेन' के तौर पर विपक्ष के निशाने पर रहे देवेन्द्र फडणवीस ने कभी विधानसभा में शेर पढ़कर कहा था कि ' मेरा पानी उतरता देख मेरे किनारे पर घर मत बना लेना मैं समुंदर हूं, लौटकर वापस आऊंगा"

अप्रैल में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को करारा झटका लगा था। विदर्भ की दस सीटों में से भाजपा को 2 सीटें ही मिली थीं। जिसके बाद सवाल उठने लगा था कि चार माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में क्या भाजपा वापसी कर पायेगी? लेकिन देवेन्द्र फडणवीस ने संघ के सहारे जमीनी हकीकत को समझते हुए रणनीति बनायी और हारी हुई बाजी को जीत में बदल दिया। महायुति सरकार ने चार महीने पहले ही 'लाडली बहन' योजना के माध्यम से चुनाव के पूर्व तक महिलाओं के खाते में साढ़े सात हजार रुपए जमा किये। लाडली बहन योजना गेम चेंजर बन गई। लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने के मुद्दे पर पराजय झेलने वाली भाजपा ने इस बार फूंक-फूंक कर कदम रखा और मतदाताओं को यह समझाने में सफल रहे कि यह मुद्दा फेक नैरेटिव का हिस्सा था। लोकसभा चुनाव में मराठा के साथ-साथ ओबीसी समाज भी भाजपा से दूर था। लेकिन इस बार ओबीसी समाज ने भी भाजपा का साथ दिया। मनोज जरांगे ने अंतिम समय पर चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा करने के बाद मराठा वोटों का विभाजन हो गया जिसका लाभ भाजपा को हुआ। भाजपा ने 2014 के विधानसभा चुनाव में विदर्भ की 62 सीटों में 45 सीटों पर जीत हासिल की थी। भाजपा ने 2019 के विधानसभा चुनाव के प्रदर्शन में भी आश्चर्यजनक सुधार किया है। भाजपा को तब 28 सीटें मिली थी जो 2014 के मुकाबले में 17 सीटें कम थी। तब भाजपा को पांच लाख वोटों का नुकसान हुआ था। विदर्भ की 62 सीटों में भाजपा ने 47 शिवसेना (शिंदे गुट) ने 9 तथा राकांपा (अजित पवार) गुट ने 6 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जबकि कांग्रेस ने 41, राकांपा (शरद पवार) गुट ने 12 व शिवसेना (उबाठा) ने 9 सीटों पर किस्मत आजमाई थी।

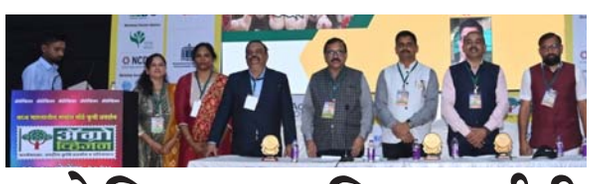

एग्रोविजन कृषि प्रदर्शनी का आज समापन

नागपुर.

पीडीकेवी मैदान, दाभा में चार दिनों से चल रही भारत की सबसे बड़ी कृषि प्रदर्शनी 'एग्रोविजन' का आज, सोमवार, 25 नवंबर को समापन होगा। दोपहर 2 बजे आयोजित समापन कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और एग्रोविजन के मुख्य प्रवर्तक नितिन गडकरी अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम में अरुणाचल प्रदेश के कृषि मंत्री गेब्रियल डी. वांगसु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर गेब्रियल वांगसु अपने संबोधन में अरुणाचल प्रदेश द्वारा अपनाई गई नई कृषि पद्धतियों की जानकारी देंगे। प्रदर्शनी के दौरान किसानों, उत्पादकों, उपभोक्ताओं, कृषि छात्रों और कृषि प्रेमियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। एग्रोविजन सलाहकार समिति के अध्यक्ष डॉ. सी.डी. मायी, आयोजन सचिव रवी बोरटकर और रमेश मानकर ने समापन दिवस पर अधिक से अधिक किसानों, उत्पादकों और उपभोक्ताओं से प्रदर्शनी में आने और कार्यशालाओं व सम्मेलनों का लाभ उठाने की अपील की है। एग्रोविजन ने बीते चार दिनों में कृषि से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर संवाद स्थापित किया है। समापन समारोह में प्रदर्शनी की उपलब्धियों और इसके भविष्य के लिए नए आयामों पर चर्चा होगी।

बावनकुले की कार्यकर्ताओं से बातचीत

>जनता का आभार कभी नहीं भूलूंगा

नागपुर. कामठी-मौदा विधानसभा की जनता ने पिछले 35 वर्षों से मुझे प्यार किया है और आज की जीत कामठी की जनता की जीत है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और कामठी मौदा विधान सभा में भाजपा के विजयी उम्मीदवार चन्द्रशेखर बावनकुले ने अपील की कि मैं उनकी दयालुता को कभी नहीं भूलूंगा, मुझे ऐसे ही प्यार करते रहो। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी की जीत के सूत्रधार बीजेपी के विरले कार्यकर्ता हैं. जीत के बाद चंद्रशेखर बावनकुले ने कोराडी में बीजेपी कार्यकर्ताओं से बातचीत की. श्री बावनकुले ने कहा, भाजपा ने महाराष्ट्र में ऐतिहासिक जीत हासिल की । प्रदेश में एक बार फिर हमारी सरकार आएगी. महागठबंधन को बड़ी जीत मिली है क्योंकि महाराष्ट्र के 14 करोड़ लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, महाराष्ट्र के नेता देवेंद्र फड़नवीस, एकनाथ शिंदे, अजीत पवार पर भरोसा किया है। कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है. बावनकुले ने आशीष देशमुख को बधाई दी. इस बार उन्होंने आश्वस्त किया कि जिले में भाजपा की वापसी हो गयी है. उन्होंने आश्वासन दिया कि वह जल्द ही कामठी के प्रत्येक मतदाता से मिलेंगे।

एग्रोविजन कार्यक्रम में अद्भुत साईकिल: 'पर्यावरण बचाओ, ईंधन बचाओ' थीम पर आधारित। दशकों से उपयोग हो रही दो साइकिलों को सजाकर प्रदर्शित किया गया। एक प्रदूषण मुक्त गांव, एक प्रदूषण मुक्त शहर, और आपदाओं से जूझते शहर की तस्वीर पेश की गई। डॉ. सुनीता शर्मा, गुंजन खंडेलवाल और ऐश्वर्या चिमुरकर ने वर्तमान हालातों के प्रति लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

6 अवैध शराब विक्रेताओं को दबोचा

> 1,36,100 रुपये का माल जब्त

नागपुर. विविध थाना क्षेत्रों में अवैध शराब अड्डों पर पुलिस ने छापा मार कार्रवाई की. इस दौरान अवैध शराब बेचने वाले 6 विक्रेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया. छापामार कार्रवाई के दौरान पुलिस ने अवैध शराब विक्रेताओं से देशी व महुआ शराब समेत कुल 1,36,100 रुपये का माल जब्त कर लिया. पकड़े गए आरोपियों में रहमत नगर सोनेगांव निवासी 34 वर्षीय शेख सलीम शेख चाँद, निलेश आबाजी गजभिए (33) दुग्धामना वाडी, डिप्टी सिग्नल पूजारामवाडी निवासी 39 वर्षीय महादेव रमेश हटवार, पोला मैदान बिनाकी मंगलवारी निवासी 44 वर्षीय भगवान गोविंदा निमजे और दादू महाजन अखाड़ा निवासी उषाबाई आकाश पौनिकर (43), और तुलसी नगर वाठोड़ा निवासी 22 वर्षीय मोहित रामनाथ नंदनवार का समावेश है।

बीमारी दूर करने के बहाने उड़ाए 33 हजार के गहने

नागपुर. कोराडी पुलिस थाना अंतर्गत आर्य नगर स्थित पवनसुत सोसायटी में रहने वाली एक महिला से नंदी बैल लेकर घर में आए दो अज्ञात आरोपी बीमारी दूर करने के बहाने पूजा के नाम पर महिला के 33000 के सोने के आभूषण लेकर फरार हो गए। पुलिस ने फरियादी विजय गजानन साखरवाडे (50) की शिकायत पर धोखाधड़ी के तहत यह मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार 20 नवंबर की दोपहर करीब 12:20 बजे के दौरान एक बैल लेकर दो अज्ञात आरोपी प्लाट नंबर 104 आर्य नगर स्थित पवनसुत सोसायटी में पहुंचे। जहां फरियादी के घर के सामने रुक कर उन्होंने विजय की बेटी को नंदी बैल के लिए घर से रोटी लाने के लिए कहा। इस दौरान विजय की पत्नी घर से बाहर आई और उसे देखते ही इन दोनों आरोपियो ने उसकी बीमारी दूर करने के लिए पूजा करने का बहाना किया। इस तरह महिला का विश्वास हासिल कर उसके पास के सोने के 33000 के गहने लेकर फरार हो गए।

'मैं समंदर हूँ, लौटकर वापस आऊंगा'

>फडणवीस ने दोहराया >अब राष्ट्रीय राजनीति पर भी होगा असर

नागपुर. अप्रैल में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को करारा झटका लगा था। विदर्भ की दस सीटों में से भाजपा को 2 सीटें ही मिली थीं। जिसके बाद सवाल उठने लगा था कि चार माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में क्या भाजपा वापसी कर पायेगी? लेकिन देवेन्द्र फडणवीस ने संघ के सहारे जमीनी हकीकत को समझते हुए रणनीति बनाई और हारी हुई बाजी को जीत में बदल दिया। महायुति सरकार ने चार महीने पहले ही 'लाडली बहन' योजना के माध्यम से चुनाव के पूर्व तक महिलाओं के खाते में साढ़े सात हजार, साढ़े सात हजार रुपए जमा किए। लाडली बहन योजना गेमचेंजर बन गई। लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने के मुद्दे पर पराजय झेलने वाली भाजपा ने इस बार फूंक-फूंक कर कदम रखा और मतदाताओं को यह समझाने में सफल रहे कि यह मुद्दा फेक नेरिटिव का हिस्सा था। लोकसभा चुनाव में मराठा के साथ-साथ ओबीसी समाज भी भाजपा से दूर था। लेकिन इस बार ओबीसी समाज ने भी भाजपा का साथ दिया। मनोज जरांगे ने अंतिम समय पर चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा करने के बाद मराठा वोटों का विभाजन हो गया जिसका लाभ भाजपा को हुआ।

भाजपा ने 2014 के विधानसभा चुनाव में विदर्भ की 62 सीटों में 45 सीटों पर जीत हासिल की थी। भाजपा ने 2019 के विधानसभा चुनाव के प्रदर्शन में भी आश्चर्यजनक सुधार किया है। भाजपा को तब 28 सीटें मिली थी जो 2014 के मुकाबले में 17 सीटें कम थी। तब भाजपा को पांच लाख वोटों का नुकसान हुआ था। विदर्भ की 62 सीटों में भाजपा ने 47 शिवसेना (शिंदे गुट) ने 9 तथा राकांपा (अजित पवार) गुट ने 6 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जबकि कांग्रेस ने 41, राकांपा (शरद पवार) गुट ने 12 व शिवसेना (उबाठा) ने 9 सीटों पर किस्मत आजमाई थी।

महायुति सीट: भाजपा 39, शिवसेना (शिंदे) 4, राकांपा (अजित पवार) 6. महाराष्ट्र चुनाव में मिली बंपर जीत ने भाजपा के हौंसले बढ़ा दिए हैं। महाराष्ट्र में मिली शानदार जीत ने भाजपा का न केवल आत्मविश्वास बढ़ाया है, बल्कि इसके बाद अब मोदी सरकार पर तेलुगुदेशम और जदयू जैसे सहयोगी दलों का दबाव भी कम होगा। दरअसल लोकसभा चुनाव में 240 सीटों तक सिमटना भाजपा और नरेन्द्र मोदी के लिए एक झटके के रूप में देखा गया था और माना जा रहा था कि ब्रांड मोदी कमजोर हो रहा है। लेकिन हरियाणा में मिली जीत, जम्मू-कश्मीर में बेहतर प्रदर्शन के बाद अब महाराष्ट्र में मिली प्रचंड जीत ने भगवा पार्टी को नई ऊर्जा दे दी है।

महाराष्ट्र चुनाव में भाजपा ने प्रभावी जीत दर्ज की है तो ठाकरे परिवार को बुरी हार का सामना करना पड़ा है। शिवसेना (यूबीटी) की हार रणनीतिक तौर पर भाजपा के लिए फायदेमंद साबित होगी। दरअसल हिन्दुत्व के झंडाबरदार रहे बाल ठाकरे के परिवार के कमजोर होने के बाद भाजपा के लिए प्रदेश में हिन्दुत्व की सबसे बड़ा चैंपियन बनने का रास्ता साफ हो गया है।

महाराष्ट्र में अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज कर चुकी भाजपा पर अब शिवसेना (शिंदे) और राकांपा (अजित) का दबाव भी कम होगा। हालांकि भगवा पार्टी इन दोनों सहयोगियों को नाराज करने की स्थिति में नहीं होगी। वरिष्ठ पत्रकार संजय राय कहते हैं कि महाराष्ट्र में भाजपा अगर अपना मुख्यमंत्री बनाती है, जिसकी संभावना अधिक है, तो इसके एवज में शिवसेना (शिंदे) और राकांपा (अजित) के नेताओं को कहीं और समायोजित करने का उस पर दबाव बढ़ेगा। माना जा रहा है कि इसके लिए दोनों सहयोगी दलों को उपमुख्यमंत्री पद देने के साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी हिस्सेदारी बढ़ानी पड़ सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी अब और होंगे मजबूत

इस जीत के बाद एनडीए के अंदर एक तरफ भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दबदबा और बढ़ेगा तो दूसरी तरफ सहयोगी पार्टियों का दखल कमजोर पड़ेगा। तेलुगुदेशम सुप्रीमों व आन्ध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू तथा जदयू अध्यक्ष व बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब मोदी सरकार पर पहले की तरह दबाव बनाने या फिर मोलभाव करने की स्थिति में नहीं होंगे। अगले वर्ष के अंत में बिहार में विधानसभा चुनाव होना है। सियासी जानकार बताते हैं कि इस जीत के बाद भाजपा बिहार में जदयू के साथ सीट बंटवारे पर मनमाफिक बात करने की स्थिति में भी होगी।

महायुति की बंपर जीत, 62 में से 49 सीटों पर कब्जा

नागपुर.

विदर्भ विधानसभा चुनाव में महायुति की आंधी दिखी. इस बार लोकसभा चुनाव में करारी हार झेलने वाली महायुति ने भारी जीत हासिल की है. गठबंधन ने क्षेत्र की 62 सीटों में से 49 सीटों पर जीत हासिल की है. जिसमें बडनेरा सीट पर रवि राणा समेत बीजेपी के 39, शिवसेना के पांच और एनसीपी के चार विधायक शामिल हैं. बीजेपी की इतनी बड़ी जीत के कई कारण हैं. जिसमें लाडली बहना योजना, बिजली माफी और चुनाव के बाद कर्ज माफी भी शामिल है. इन मुद्दों ने जमीन पर महागठबंधन का मूड बदल दिया.

छह महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में महायुति को बड़ी हार का सामना करना पड़ा था. राज्य की 10 सीटों में से महायुति ने केवल तीन सीटें जीतीं। इसे दोबारा न दोहराने के लिए संघ मैदान में उतरा. अकेले विदर्भ में संघ नेताओं ने 20 हजार से ज्यादा बैठकें कीं. इसके साथ ही आम जनता को राहत पहुंचाने सहित ऐसी योजनाएं लागू की गईं, जिससे लोगों को तत्काल राहत मिल सके। जिसमें लाडली बहना योजना प्रमुख थी। योजना के तहत प्रत्येक महिला के खाते में 1500 रुपये जमा किये गये. उन्होंने सरकार आने पर 2100 रुपये देने का वादा किया, जिसका असर यह हुआ कि महिलाओं ने महायुति को बंपर वोट दिया.

इसके साथ ही सरकार ने किसानों की कर्जमाफी से भी इनकार कर दिया, जिसका असर यह हुआ कि जो किसान अपनी फसलों की कीमत नहीं मिलने से परेशान थे, वे भी मतदान के दिन महायुति के पक्ष में वोट करते दिखे. . इन सभी योजनाओं का लाभ महायुति को मिला और उसे भारी जीत हासिल हुई. 2019 में जहां महायुति को 36 सीटों से संतोष करना पड़ा, वहीं इस बार उसने 48 सीटों पर जीत हासिल की. अकेले बीजेपी की 10 सीटें बढ़ी हैं. रिकॉर्ड मीटिंग करने के बावजूद महाविकास अघाड़ी हार गई. सिर्फ 14 सीटों से संतोष करना पड़ा. 2019 में अकेले कांग्रेस के पास 15 सीटें थीं. इस बार छह आये. यशोमती ठाकुर, माणिकराव ठाकरे और प्रहार के बच्चू कडू जैसे कांग्रेस के दिग्गज भी चुनाव हार गए।

थार और ट्रक के बीच भीषण दुर्घटना

> हादसे में दो की मौत, दो गंभीर

कोंढाली.

कोंढाली पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कोंडाजी समीपस्थ नंदोरा फाटे पर 23 और 24 नवंबर की रात करीब 01-30 के दरमियान थार और ट्रक के बीच हुई भीषण दुर्घटना में, थार की पिछली सीट पर बैठे दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं एयर बैग खुलने के कारण चालक और उसके बगल में बैठा युवक बच गया, लेकिन दोनों को गंभीर घायलों को इलाज के लिए नागपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरावती जिले के चंदुर बाजार निवासी पूर्व मंत्री बच्चूभाऊ कडू के प्रहार संघटना के कार्यकर्ता ऋषभ शाम गावंडे (25), सोपान नितिन कोरडे (20), अजिंक्य प्रमोद वाकोडे (25), शुभम संजय खोंड (28), सभी चंदूर बाजार में रहते हैं, 23 नवंबर से 24 नवंबर के बीच देर रात थार वाहन नंबर एमएच-27 डी एल -8513में सवार होकर नजदीकी रिश्तेदारों के विवाह समारोह में शामिल होने के लिये नागपुर आते समय नागपूर -अमरावती राष्ट्रीय राजमार्ग 53(6) पर कोंढाली के पास दुर्घटना प्रवण क्षेत्र नंदोरा फाटा मोड़ पर मालवाहक ट्रक क्रमांक एमएच-40-सीटी-0242 और थार वाहन में जबरदस्त भिड़ंत हुई, दोनों वाहनों में भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी

थार चकनाचूर, मृतकों और घायलों को रेस्क्यू जारी

इस हादसे में थार का घटनास्थल पर ही पूर्णत: चकनाचूर हो गया। इस भयानक दुर्घटना की खबर मिलते ही कोंढाली के थानेदार राजकुमार त्रिपाठी, ऑन ड्यूटी स्टाफ पीएसआई रोशन खांडेकर, कांस्टेबल वैभव जाधव मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायलों को अस्पताल भेजा गया और घटनास्थल की जांच की गई।मृतकों को शव परीक्षण के लिए काटोल ग्रामीण अस्पताल भेजा गया। उपविभागीय पुलिस अधिकारी बापूसाहेब रोहम के मार्गदर्शन में थानेदार राजकुमार त्रिपाठी तथा पी एस आय रोशन खांडेकर जांच कर रहे हैं. इस भीषण दुर्घटना की खबर मिलते ही पूर्व मंत्री बच्चूभाऊ कडू काटोल के प्रहार के आशिष जयस्वाल, दिनेश निंबालकर ने घटनास्थल निरीक्षण कर शव विच्छेदन स्थल काटोल ग्रामीण रुग्णालय भी पहुंचे साथ ही गंभीर घायलों को मिल्ने नागपुर पहुंचे.

की थार वाहन के पीछे के सीट पर बैठे ऋषभ शाम गावंडे और सोपान नितिन कोरडे दोनों पीछे के सीट से सामने के सीट पर फेंके गये . इस भीषण हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई मृत हो गयी.हालांकि थार गाड़ी के एयर बैग खुलने के कारण अजिंक्य प्रमोद वाकडे और शुभम संजय खोंड बच गए, लेकिन इन दोनों गंभीर घायल अवस्था में कोंढाली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और बाद में नागपुर के सरकारी अस्पताल रेफर किया गया दोनो गंभीर घायलों को वसंतराव देशमुख फाउंडेशन के एम्बुलेंस के ड्राइवर संजय गायकवाड द्वारा नागपुर में इलाज के लिए ले गये किंतू परिजनों के मांग पर दोनों गंभीर घायलों को नागपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नवनिर्वाचित विधायक बावनकुले का अफ़सर खान ने किया अभिनंदन

कामठी.

मौदा विधानसभा चुनाव क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक चंद्रशेखर बावनकुले का विधायक बनने के बाद भाजपा अल्पसंख्यक सेल तालुका अध्यक्ष अफ़सर खान ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर व मिठाई खिलाकर, गाजे-बाजे के साथ आत्मीय स्वागत किया. इस मौके पर चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि वे मतदाताओं के आभारी हैं ही जिन्होंने अपना मत एवं आशीर्वाद देकर उन्हें विधायक बनाया हैं. कामठी - मौदा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने सिद्ध कर दिया कि भाजपा का गढ़ है. कार्यकर्ताओं के मेहनत और लगन के कारण ही सम्मान का अवसर आया है. उन्होंने कार्यकर्ताओं को विश्वास दिलाया कि वे कार्यकर्ताओं के सुख-दुख में शामिल रहेंगे और कामठी - मौदा विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए तत्पर रहेंगे.

जयसवाल की जीत होते ही पारशिवनी के कार्यकर्ता झूम उठे

पारशिवनी.

रामटेक विधानसभा के चुनाव की मतगणना में शिवसेना के एड.आशिष जैस्वाल के विजयी होने की घोषणा होते ही पारशिवनी मे शनिवार को जश्न का माहौल रहा. यहां मौजूद शिवसेना भाजपा कार्यकर्ता जीत की घोषणा होते ही एक साथ झूम उठे. कार्यालय पर पटाखे जलाकर आतिशबाजी की गई. गुलाल उड़ाकर जश्न मनाया गया. शिवसेना चुनावी कार्यालय के पार्टी के कार्यालय पर भाजपा तथा शिवसेना के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे. पार्टी कार्यालय से भारतीय जनता पार्टी तथा शिवसेना शिंदे गट को कार्याकर्ता ने एक संयुक्त रैली निकाली. ओपन जीप पर विजयी आमदार आशिष जैस्वाल तथा भाजपा के उदय सिंह उर्फ गज्जू यादव का पुष्प हार पहनाकर स्वागत कर अभिनंदन किया. पश्चात गुलाल लगाकर मिठाई बांटी कर आतीश बाजी कर विजय जुलूस निकाला गया. स्वागत जुलूस में कमलेश शरणागत, अमित खजुरे, बबलू भाई शेख, अज्जू भाई पठान, नासिर पठान, रिजवान पठान देवालापार, एंड अहबाज पठान, आशीष धोटे, प्रविन गोरले, जोयेब बाबा, अनूप जयसवाल, जावेद पठान, डॉ. दानिश पठान, आदिल पठान, कुणाल वाळके, कुंदन धोटे, जफर शेख, प्रेम भोंडेकर, उत्तम वडसकर, आसिफ शेख, वाहिद शेख, खलील पठान, कलाम शेख, बालू सोनटक्के, नौशाद शेख सह अनेक कार्यकर्ते उपस्थित थे. भाजपा, शिवसेना के झंडे लहरा कर सवार थे. जैसे ही जयघोष के गीत गुंजा और भाजपा के कार्यकर्ता थिरक उठे मदद से एक बड़ी पुष्प माला लटकाई गई थी. शिवसेना और भाजपा के महिला पुरुष कार्यकर्ताओं को एक साथ थिरकने का यह समां हर कोई कैमरे में कैद कर रहा था. महिलाएं परंपरागत फुगड़ी गोल कर जश्न मना रहीं थीं.

बावनकुले की जीत पर शिव पंचायतन मंदिर ट्रस्ट ने बांटी मिठाइयां

कामठी.

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की प्रचंड जीत के साथ कामठी - मौदा विधानसभा चुनाव सीट से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले की ऐतिहासिक जीत पर शिव पंचायतन मंदिर 'क' तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट द्वारा फटाके फोड़ कर व बैंड बाजे बजा कर खुशियां मनाएं और सभी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई प्रेषित की गई. शिव पंचायतन मंदिर 'क' तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के सचिव व भाजपा के शहर महामंत्री विनोद संगेवार ने कहा कि महाराष्ट्र में प्रचंड जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व का परिणाम है साथ ही भारतीय जनता पार्टी के द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं से मतदाता भी खुश हैं उन्हें योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है.

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत पर ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं पार्टी के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विनोद संगेवार ने सभी जेस्ट श्रेष्ट कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया. इस मौके पर शिव पंचायतन मंदिर "क" तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट, कामठी अध्यक्ष चंद्रकांत सिरिया, सचिव विनोद संगेवार, उपाध्यक्ष रामेश्वर बावनकर, उदय सीरिया, अजय अग्रवाल, सहसचिव मानिक बावनकर, कोषाध्यक्ष बलराज नामपल्लीवार, सदस्य होनाजी बोधमांगे, मोहन साहू, प्रकाश हिरणवार, हरीश सीरिया, गोपाल यादव, मनीष गुप्ता, राहुल संगेवार, रोहित ठोसरे, सुरेश चौरसिया, रमेश काटरपवार, दीपक संगेवार, रितेश चौरसिया, किशोर बोबडे, गंगाधर शिवरकर, अरविंद यादव, गोपाल साहू, अमित ठाकुर, मायाराम ठाकुर, अपूर्व गुप्ता, ओम बावनकर, अमित ठाकुर, सोहम बावनकर, हार्दिक गुप्ता, भूरू ठाकुर, प्रेम संगेवार, विक्की दीपानी, बबली शिवरकर, आकाश साहू, अंकित चकोले, राकेश उमांठे, कालू लालवानी आदि गणमान्य व्यक्ति प्रमुखता से मौजूद रहें.

नितिन राऊत की जीत पर कांग्रेस ने बांटी मिठाई

नागपुर.

विधानसभा के चुनाव में उत्तर नागपुर में डॉ. नितीन राऊत को मिली जीत पर युवक कांग्रेस ने प्रभाग क्र 5, इंदिरा माता नगर पर मिठाई बांटी और जीत का जश्न मनाया और एक दूसरे को बधाई दी. युवक कांग्रेस नेताओं की ओर से कहा गया कि उत्तर नागपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. नितीन राऊत, आम कार्यकर्ता और मतदाता की जीत है. उन्होंने कहा कि डॉ. नितीन राऊत विधानसभा में आने से आम जनमानस की आवाज और प्रखर रूप से उठेगा. साथ ही कांग्रेस पार्टी और मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी. इस मौके पर उत्तर नागपुर युवा कांग्रेस महासचिव शेख शहनवाज, उत्तर नागपुर युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष गणेश धुर्वे, सचिन शेडेके, उत्तर नागपुर युवा कांग्रेस वार्ड अध्यक्ष समीर शेख, नईम शेख, राहुल चावरे, सोनू शेख, विक्की हजारे सहित परिसर के नागरिक प्रमुखता से उपस्थिति थे.

नागपुर शहर की चार सीटों पर बीजेपी, दो सीटों पर कांग्रेस का कब्जा

नागपुर. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति ने प्रचंड जीत हासिल करते हुए 233 सीटें हासिल की. महाविकास अघाड़ी 46 वोटों से जीती. राजधानी नागपुर में, महायुति की हवा चली शहर की चाह सीटों पर 2019 परिणाम। बीजेपी ने चार और कांग्रेस ने दो सीटों पर जीत हासिल की है. पूर्वी नागपुर सीट पर बीजेपी ने बड़ी जीत हासिल की है. बीजेपी प्रत्याशी कृष्णा खोपड़े रिकॉर्ड 115302 वोटों से चुनाव जीते. खोपड़े विदर्भ के सबसे सफल नेता बन गये हैं. किसी भी विधायक के प्रति असंतोष आम तौर पर दिखता है लेकिन खोपड़ी पर ऐसा नहीं दिखा. इसके बजाय, प्रो इंकम्बेंसी प्रकट हुए। यही कारण है कि महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार दुनेश्वर पेठे खोपड़े में कहीं नजर नहीं आए. सबसे दिलचस्प चुनाव मध्य नागपुर विधानसभा सीट पर हुआ. पहले राउंड से लेकर आखिरी राउंड तक बीजेपी उम्मीदवार प्रवीण दटके और बंटी शेलके के बीच लड़ाई जारी रही. कभी प्रवीण आएँगे तो कभी बंटी। एक समय तो ऐसा हुआ कि शेल्के 11 हजार से ज्यादा वोटों से आगे हो गए थे और ऐसा लग रहा था कि बीजेपी हार जाएगी.

राउत कि भारी जीत पर शायदा खान ने मनाया जश्न

नागपुर.

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस महाविकास आघाडी से उत्तर नागपुर विधानसभा क्षेत्र में से भारी मतों से विजयी हुआ कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. नितिन राउत के जितने कि कि खुशी मे महाराष्ट्र प्रदेश कॉग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग कि सचिव शायदा बेगम अहमद खान ने जीत का जश्न मनाते हुए आतिशबाजी कर मिठाई बाटकर एक दूसरे को जीत कि बधाई दी ईस मौके पर कॉग्रेस नेता मोहम्मद वसिम, नागपुर शहर जिला कॉग्रेस कमेटी माथाडी कामगार विभाग के महासचिव आहद खान कादरी, ब्लॉक 15 के महासचिव अल्ताफ शेख, सहेजाद कुरैशी, नसिम बाजी,रेहाना बाजी, शेख रफीक, एजाज भाई, असहद खान,जाहिद शेख, रेशमा बाजी रुबीना खान, नूरजहाँ अन्सारी, आशा कावड़े, कमला धान्डे, नीतू ताई,ललिता मेश्राम, सोनू भाई जुबेदा शेख, नसरीन खान, हसन भाई, रितेश मेश्राम आदि कॉग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के कार्यकर्त्ता व नागरिक गण उपस्थित थे.

कोंढाली में कचरा प्रबंधन की बदहाली

कोंढाली.

कोंढाली नगर पंचायत के गठन को हाल ही में एक वर्ष पूरा हुआ है, लेकिन इसके बावजूद कचरा प्रबंधन की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। नगर पंचायत के गठन के बाद अब तक चुनाव नहीं हुए हैं और प्रशासक ही इसका संचालन कर रहे हैं। वर्तमान में नगर पंचायत की सीमा के भीतर कचरा संग्रहण के लिए पर्याप्त घंटा गाड़ियां उपलब्ध नहीं हैं। जो एकमात्र घंटागाड़ी कार्यरत है, वह भी बेहद पुरानी है और अक्सर खराब हो जाती है। इसकी मरम्मत में सप्ताह भर का समय लग जाता है, जिससे नगर के निवासियों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ रहा है।

अपर्याप्त घंटा गाड़ियों के कारण कोंढाली के सभी छह वार्डों में कचरा प्रबंधन का कार्य सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा है। सड़कों और गलियों में कचरे का ढेर जमा हो रहा है, जिससे क्षेत्र में बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। नागरिकों का कहना है कि घन कचरा प्रबंधन की इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे बड़े आंदोलन पर उतरने के लिए मजबूर हो जाएंगे। कोंढाली के नागरिकों ने शहरी विकास विभाग, जिला योजना समिति और जिलाधिकारी नागपुर को ईमेल के जरिए अपनी शिकायत और मांगे भेजी हैं। उन्होंने कोंढाली नगर पंचायत के हर वार्ड के लिए नई और अद्यतन छह घंटे गाड़ियां उपलब्ध कराने की अपील की है। स्थानीय निवासी

> स्वास्थ्य पर मंडरा रहा खतरा

स्वप्निल व्यास ने बताया कि कचरा प्रबंधन की समस्या के कारण न केवल स्वास्थ्य बल्कि पर्यावरण पर भी भारी असर पड़ रहा है। नगर पंचायत प्रशासक धनंजय बोरीकर ने कहा कि घन कचरा प्रबंधन को लेकर नागरिकों की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इस समस्या के समाधान के लिए प्रस्ताव तैयार कर शहरी विकास विभाग को भेजा गया है। मंजूरी मिलने के बाद नई घंटा गाड़ियों की खरीदारी की जाएगी और समस्या का समाधान किया जाएगा। क्षेत्र के राजनीतिक, सामाजिक और व्यापारिक संगठनों ने प्रशासन से अपील की है कि समय रहते कचरा प्रबंधन की समस्या का हल निकाला जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो नागरिकों का स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों गंभीर खतरे में पड़ जाएंगे। कोंढाली नगरवासियों की यह मांग है कि सरकार और प्रशासन जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करें, ताकि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य और स्वच्छता का माहौल मिल सके।

सावनेर में बदलाव: आशीष देशमुख ने सुनील केदार को हराया

सावनेर.

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सावनेर विधानसभा क्षेत्र के नतीजे बेहद चौंकाने वाले रहे। कांग्रेस के कद्दावर नेता सुनील केदार को उनके ही गढ़ में हराकर डॉ. आशिष देशमुख ने बड़ी जीत दर्ज की।

कॉंटे की टक्कर माने जा रहे इस मुकाबले का अंत एकतरफा रहा, जिसमें डॉ. आशिष देशमुख ने कांग्रेस की अनुजाताई सुनील केदार को 26,401 वोटों के बड़े अंतर से पराजित किया। सावनेर विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों को मिले मत इस प्रकार रहे: डॉ. आशिष देशमुख (भाजपा) – 1,19,725 (विजयी, 26,401 मतों का अंतर), अनुजाताई केदार (कांग्रेस) – 93,324, ताराबाई गौरकर (बीएसपी) – 2,263, अजय सहारे (वंचित) – 2,152, पंकज घाटोडे (निर्दलीय) – 1,037, दिवाकर कडू (निर्दलीय) – 815, गजानन भिंगारे (निर्दलीय) – 758, आशिष देशमुख (निर्दलीय) – 735, नोटा (NOTA) – 633, अमोल रणजीत देशमुख (निर्दलीय) – 567, अनिल बोडाखे (निर्दलीय) – 355, घनश्याम निखाडे (नवनिर्माण सेना) – 219, प्रणय चांदेकर (प्रहार जनशक्ति) – 161, भीमराव डोंगरे (आरपीआई) – 154, राजेश श्रीखंडे (जनहित लोकशाही) – 120, प्रदीप सोमकुवर (भारतीय युवा जन एकता) – 103, संजय मनोडिया (अपनी प्रजापति पार्टी) – 96, अशोक नानवटकर (भीमसेना) – 80, भोजराज भुते (राष्ट्र समर्पण पार्टी) – 77.

चुनाव का दिलचस्प पहलू

चुनाव के नतीजों में दिलचस्प बात यह रही कि डॉ. आशिष देशमुख के भाई, निर्दलीय प्रत्याशी अमोल देशमुख, केवल 567 वोट ही जुटा सके। वहीं, एक अन्य निर्दलीय प्रत्याशी, जिनका नाम भी आशिष देशमुख है, उन्हें 735 वोट मिले। इतना ही नहीं, नोटा ने भी 633 वोट हासिल कर अमोल देशमुख से ज्यादा समर्थन पाया। इस चुनाव के परिणाम ने साफ कर दिया कि सावनेर की जनता ने परिवर्तन का रास्ता चुना है।

भाजपा की लीड कांग्रेसियों का बढ़ाती रही टेंशन

नागपुर.

> समय के साथ बढ़ता गया राजनीतिक पारा

दक्षिण नागपुर में भाजपा की बढ़ती लीड कांग्रेसियों का टेंशन बढ़ाती रही। जैसे-जैसे लीड बढ़ती गई, वैसे-वैसे कांग्रेसियों में मायूसी छाती गई। मतगणना केंद्र पर पहुंचे कांग्रेसियों में सुबह जबरदस्त उत्साह देखा गया, लेकिन समय के साथ यह उत्साह कम होता गया। पराजय तय होने के बाद शाम को कांग्रेसी एक-एक कर वहां से चुपचाप निकल गए। इधर लीड बढ़ने के साथ ही भाजपाइयों का उत्साह बढ़ता जा रहा था। नवनिर्वाचित विधायक मोहन मते शाम को मतगणना केंद्र पर आने की सूचना मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर पहुंच गया था। नवनिर्वाचित विधायक मोहन मते के स्वागत के लिए भाजपा की पूरी टीम मतगणना केंद्र से निकलकर परिसर में आ गई थी। 9वें, 10वें व 11वें राउंड में लीड कम होने से प्रसन्न कांग्रेसियों पर 12वें, 13वें व 14वें राउंड में मते ने जबरदस्त प्रहार किया। मते की बढ़त 8 हजार से अधिक हुई और उसके बाद हर राउंड में बढ़त बढ़ती ही गई। निर्णायक बढ़त मिलने के बाद कांग्रेसियों ने लगभग हार मान ली और कांग्रेस खेमें में मायूसी छा गई। जीत करीब देख भाजपाइयों का उत्साह दोगुना हो गया और एक बार तो मतगणना केंद्र में ही भाजपा के चुनावी प्रतिनिधियों ने भारत माता की जय के नारे लगाए। 11वें राउंड में उम्मीद की किरण जारी : मतगणना भले ही सुबह 8 बजे शुरू हुई, लेकिन कांग्रेस व भाजपा कार्यकर्ता सुबह 7 बजे ही मतगणना केंद्र पर पूरी तैयारी के साथ पहुंच गए थे। सुबह कांग्रेस व भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। पहले राउंड से ही भाजपा के मोहन मते अपने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार गिरीश पांडव पर बढ़त बनाते रहे। भाजपा की बढ़त जैसे-जैसे बढ़ रही थी, कांग्रेसियां का उत्साह कम हो रहा था। 8 वें राउंड में भाजपा की लीड 9,473 होने पर कांग्रेसी मायूस होकर परिसर में चुपचाप खड़े हो गए थे। 9वें राउंड में जैसे ही लीड कम होकर 6,126 रह गई, कांग्रेसियों में उम्मीद की किरण जगी। 10वें राउंड में लीड घटकर 3,334 हुई और 11वें राउंड में लीड घटकर एक हजार से नीचे आते ही कांग्रेस में फिर एक बार खुशी का संचार हो गया।

निधन वार्ता

निधन समाचार के नि:शुल्क प्रकाशन हेतु संपर्क करे हमे ई-मेल करे ngpms2019@gmail.com

सत्यनारायण ईसरका

कामठी. पॉपुलर बूट के संचालक कांटी ओली कामठी निवासी महेश, नरेश और उमेश इसरका के पिताजी सत्यनारायण ईसरका (उम्र 94) का रविवार को दुखद निधन हो गया है. उनकी शव यात्रा आज सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान कांटी ओली से निकलकर अजनी मोक्षधाम जाएगी. वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए.

बढ़ती महंगाई से घर बनाना हुआ मुश्किल

गोंदिया.

> घरकुल राशि बढ़ाने की उम्मीद

घरकुल लाभार्थियों को सरकार की ओर से 1 लाख 20 हजार रु. की सब्सिडी दी जाती है. लेकिन, पिछले कुछ सालों में महंगाई चरम पर पहुंच गई हैं. सीमेंट, रेत, ईंट, लोहा के दाम में बेतहाशा वृद्धि हुई है. जिससे घरकुल लाभार्थियों के सामने यह दुविधा पैदा हो गई है कि इसका निर्माण कैसे किया जाए. हर किसी का सपना होता है कि उसका अपना घर हो.

जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा के माध्यम से मोदी आवास योजना, शबरी आवास योजना, रमाई आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद लाभार्थियों को घर प्रदान करती है. इसके लिए लाभार्थियों को 1 लाख 20 हजार रु. की सब्सिडी दी जाती है.

निर्माण के बाद भी नियमित किस्त नहीं मिलने का रोना है. निर्माण सामग्री की कीमत काफी बढ़ गई है. रेत की कीमत 7,000 रु. प्रति ब्रास, लोहे की कीमत 5,600 रु. प्रति टन, सीमेंट की कीमत 250 रु. से 350 रु. प्रति बोरी और ईंट की कीमत 7,000 रु. प्रति ट्रैक्टर है.

सरकार से मिलने वाली सब्सिडी से घर बनाने में लाभार्थियों को कसरत करनी पड़ती है. लाभार्थियों को घर बनाने के लिए कर्ज लेना पड़ता है. कर्ज वापस लेने का समय भी आ रहा है. लाभार्थियों में अब यह उम्मीद है कि नए विधायक बढ़ती महंगाई को देखते हुए घरकुल की राशि में वृध्दि करेंगे और जरुरतमंदों को राहत दिलाएंगे.

आवास की समस्या गंभीर

घरकुल स्वीकृत होने के बाद निर्माण के लिए कच्चा मकान तोड़ा जाता है. लेकिन सरकार की ओर से समय पर किश्त नहीं मिलती है. साथ ही निर्माण सामग्री की कीमत बढ़ रही है, इसलिए उस पैसे से घर का निर्माण पूरा नहीं किया जा सकता है. इससे कई लाभार्थियों की आवास की समस्या भी गंभीर होती जा रही है. एक अस्थायी शेड बनाया जाता है ताकि घर जल्दी बनाया जा सके. अब सर्दी बढ़ने के साथ ही छप्परों में रहने वालों को ठंड का सामना करना पड़ेगा.

वर्धा बोरगांव में ज्ञानेश्वरी पारायण शुरू

वर्धा.

वर्धा अर्बन एवं रुरल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित साईबाबा मंदिर, बोरगांव (मेघे) में ज्ञानेश्वरी पारायण प्रारंभ किया गया है. 18 वर्षों की परंपरा को जारी रखते हुए इस वर्ष भी वर्धा अर्बन परिवार ने भव्य उत्सव के साथ सप्ताह की शुरुआत की है. हरिभक्त चंदाताई काटे की मुख्य उपस्थिति में 22 नवंबर 2024 से शुरू हुए इस सप्ताह में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक और दोपहर 3 बजे से शाम 5.50 बजे तक बड़ी संख्या में हरि भक्तों ने ज्ञानेश्वरी का पारायण शुरू कर दिया है. प्रथम दिन वर्धा शहरी संघ अध्यक्ष सुधाकरराव साटोने की प्रस्तावना से, माऊली ज्ञानेश्वरी में क्या कहती है जबकि मनुष्य अपना जीवन जी रहे हैं। यदि मनुष्य तदनुसार अपना आचरण रखे तो मनुष्य का जन्म सुख के बिना नहीं होगा। ज्ञानेश्वरी पारायण के अवसर पर प्रतिदिन प्रातः 7.00 बजे आरती, सायं 6 बजे हरिपाठ एवं संध्या. 7 बजे आरती का आयोजन किया जाता है.

28 को समाप्ती पर अशोक महाराज सूर्यवंशी का गोपाल काला हरिकीर्तन कार्यक्रम आयोजित है। ट्रस्ट अध्यक्ष सुधाकरराव साटोने, ट्रस्टी अरविंद वैद्य, रामदास वसाके ने भावी श्रद्धालुओं से पारायण का लाभ लेने की अपील की है. पारायण सप्ताह के दौरान हरिभक्त गिरजा साटोणे, निर्मला वैद्य, उज्वला सोमनाथे, इंदु सायंकार, मायाताई डफ, लता शेंडे, कल्पना पराते, इंदुबाई भोयर, शशिकला घोड़खांदे, कमलताई राठी, वर्षा सेलुकर, विद्या साटोणे, रत्नाताई ठाकरे, जना बोटकुले, दुर्गा सरोदे, रूपाली खेडकर, चित्रा डहाके और अन्य द्वारा पाठ में भाग लिया. सप्ताह का संचालन निता वैद्य और उषाताई साटोने, शुभांगी पलांदुरकर, राजश्री निकुडे, वैशाली खोपड़े, गजानन गोल्हर, नितिन साटोने, पंकज माणुसमारे, किसन आडे, नितिन काटोले, सुषमा बावनकर, सचिन वैद्य, पवन मरस्कोल्हे, गजानन भुरे का कार्यक्रम की सफलता में सहयोग मिल रहा है.

1962 के बाद रहांगडाले ने हैट्रिक का रिकार्ड तोड़ा

तिरोड़ा.

> आखिरी राउंड तक मिलती रही बढ़त

तिरोड़ा-गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र में 1947 से 52, 1952 से 57 व 1957 से 1962 तक लगातार विधायक निर्वाचित हुए डा. शालिग्राम दिक्षित को हैट्रिक का मौका मिला था. उसके बाद भजनदास वैद्य, हरिश मोरे ने भी तीसरी बार चुनाव लड़ा लेकिन उन्हें सफलता प्राप्त नहीं हुई थी. यह दोनों दो बार विधायक बने लेकिन तीसरी बार में पराजित हुए थे. इनके कार्यकाल के बाद लगातार तीसरी बार चुनाव लड़कर निर्वाचित होने वाले इस क्षेत्र के लिए यह दूसरे विधायक है. विजय रहांगडाले पंचायत समिति, जिला परिषद व आज तक निर्वाचन में उम्मीदवार होते रहे व विजयी होते रहे. यह खास उनकी विशेषता रही.

ग्रामीण क्षेत्र खमारी ग्राम के रहने वाले इंजीनियर तक शिक्षा ग्रहण की है. विधायक के पहले निर्वाचित में राजलक्ष्मी तुरकर, पी.जी. कटरे को पराजित किया था. दूसरे निर्वाचन में दिलीप बंसोड, रविकांत बोपचे को पराजित किया था. अब तीसरी बार पुनः रविकांत बोपचे को पराजित कर निर्वाचित हुए. मतगणना में पहले राउंड से ही बढ़त बनाकर आखरी राउंड तक बढ़त मिलती रही. इनका पहले दिन से ही विजय होने का स्वर क्षेत्र में सुनने को मिलता रहा. मतदाताओं का आकलन एकदम सही निकला. इन्होंने भी मतदाताओं को प्रवाहित करने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी. उसका फायदा भी नहीं मिला. विजय रहांगडाले को 70,679 मत व रविकांत बोपचे को 38,084 मत मिले.

विधायक रहांगडाले 32,595 से निर्वाचित हुए. मतदाताओं का जोश देखने लायक था. क्षेत्र की जनता की नजरे अब मंत्री मंडल में स्थान मिलने की ओर लगी है. स्थानीय औद्योगिक केंद्र आईटीआई में निर्वाचन अधिकारी पुजा गायकवाड के नेतृत्व में मतगणना शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हुई.

दुर्गम क्षेत्रों में बसों की घंटों तक प्रतीक्षा

गोंदिया.

> छात्र और अभिभावकों में तीव्र नाराजगी

रापनि की बसों को जीवनदायिनी के रूप में पहचाना जाता है. वहीं गोंदिया जिले में गोंदिया व तिरोड़ा बस डिपो के जरिए बसों का परिचालन किया जा रहा हैं. लेकिन संबंधित डिपो द्वारा चलाई जाने वाली बसों की हालत कबाड़ होने के कारण यात्रियों को अपनी जान मुट्ठी में लेकर सफर करना पड़ता है. वहीं दूसरी ओर वर्तमान स्थिति में जिले के ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्र सालेकसा व देवरी तहसील में समय पर बसें नहीं पहुंचने की बात कही जा रही है. जिसका खामियाजा इस क्षेत्र के यात्रियों को घंटों तक बसों की प्रतीक्षा करने की नौबत आती है.

काफी देर तक प्रतीक्षा करने के बाद भी बस नहीं होने के कारण यात्री वर्ग मानसिक और शारीरिक रूप से त्रस्त हो रहे हैं. जिससे रापनि से इस ओर गंभीरता से ध्यान देकर नियमित समय पर बसों का परिचालन करने की मांग इस क्षेत्र के नागरिकों द्वारा की जा रही है. ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्र के छात्रों को स्कूली समय पर प्रमुख गांवों में पहुंचाने के लिए मानव विकास मिशन के तहत बसें चलाई जा रही है. लेकिन अधिकतर बसें, यह यात्रियों की सेवा में होकर गिने-चुने बसें ही छात्रों की सेवा में हैं.

ऐसे में यह बसों में छात्रों को स्कूल के समय पर गांवों में नहीं पहुंचाने के कारण छात्रों का शैक्षणिक नुकसान हो रहा है. ग्रामीणों द्वारा अनेक बार संबंधित विभाग का ध्यानाकर्षण कराने के बाद भी स्कूली समय पर बसें नहीं पहुंचने के कारण छात्र और अभिभावकों में तीव्र नाराजगी व्यक्त की जा रही है.

निजी वाहनों का ले रहे सहारा

पहले से ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्र की सड़कों की हालत खस्ता है. ऐसे में रापनि की बसें समय पर नहीं पहुंचने के कारण यात्री वर्ग को भारी परेशानियां उठानी पड़ रही है.

अनेक लोगों को अपने कार्यस्थल पर पहुंचना बेहद जरूरी होता है. लेकिन रापनि की बसें नहीं पहुंचने के कारण नागरिक निजी वाहनों का सहारा ले रहे है. विशेषतः निजी वाहनों का किराया अधिक होने के बाद भी समय पर अपने कार्यस्थल पर पहुंचने के लिए मजबूरी में निजी वाहनों से सफर कर रहे हैं.

धुकेश्वरी देवी मंदिर की 228 साल पुरानी परंपरा

> 3 राज्यों के भक्तों की आस्था, शक्तिपीठों में से एक

गोंदिया.

राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 6 पर देवरी में एक तालाब और जंगल के पास धुकेश्वरी देवी का बड़ा मंदिर है. कहा जाता है कि इस मंदिर की परंपरा 228 साल पुरानी है. यहाँ महाराष्ट्र सहित छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से भी श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी करने आते हैं. नवरात्रि पर्व का हर दिन किसी मेले से कम नहीं होता है. नाम की तरह ही इस शक्तिपीठ की कहानी भी अनोखी है. हिंदू धर्म में नवरात्रि का बहुत महत्व है. नवरात्रि उत्सव के दौरान 9 दिनों तक देवी जागरण किया जाता है. कुछ श्रद्धालु इस अवसर पर मंदिरों में भी जाते हैं. नवरात्रि के दौरान भक्त 9 दिनों तक देवी के 9 रूपों की पूजा करते हैं और देवी का आशीर्वाद लेते हैं.

नवरात्रि के दौरान कई लोग अपने घर या मोहल्ले में देवी की स्थापना करते हैं. जो भक्त ऐसा करने में असमर्थ होते हैं वे अलग-अलग मंदिरों में जाकर देवी के दर्शन करते हैं. नवरात्रि के दौरान जिले और दूसरे राज्यों से लाखों श्रद्धालु मां धुकेश्वरी मंदिर में देवी के दर्शन के लिए आते हैं. यह मंदिर देवरी शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग के पास स्थित है. धुकेश्वरी माता मंदिर को हिंदू धर्म में प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक माना जाता है.

ऐसा माना जाता है कि धुकेश्वरी माता यहां आने वाले लोगों की मनोकामनाएं पूरी करती हैं. जिससे लाखों श्रद्धालु मां धुकेश्वरी देवी के दर्शन के लिए देवरी आते हैं. देवरी शहर में पवन तालाब के तट पर स्थित मां धुकेश्वरी देवी मंदिर जिले के साथ-साथ राज्य के कोने-कोने में प्रसिद्ध है. इस मंदिर को राज्य के शक्तिपीठों में से एक माना जाता है.

इस मंदिर में शक्ति और विनाश की देवी माता काली हैं. कहा जाता है कि जब भी पृथ्वी पर विपदा आती है तो मां काली उन्हें दूर करती हैं. ऐसा ही माता धुकेश्वरी मंदिर में भी देखा जा सकता है.

मां धुकेश्वरी मंदिर क्षेत्र में अन्य देवी-देवताओं के मंदिर भी हैं. यहां एक पंचमुखी पंचमुखी मंदिर भी है जो विशेष रूप से भगवान शंकर को समर्पित है. इसके साथ ही यहां गणपति, दुर्गा देवी, कालीमाता, हनुमान, गढ़माता के मंदिर भी स्थित हैं. प्रवेश द्वार पर ही एक हनुमान मंदिर है, जबकि बीच में मां धुकेश्वरी और काली माता का मंदिर है. मुख्य प्रवेश द्वार के दाहिनी ओर गणेश जी का मंदिर है, बायी ओर दुर्गा माता का मंदिर है तथा निचली ओर गढ़माता का मंदिर है.

देवरी तहसील का धुकेश्वरी एक प्रसिद्ध मंदिर होने के कारण यहां आने वाले भक्तों की संख्या बहुत अधिक होती है. साल भर धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है.

बीमा सुविधा देने की मांग

गोंदिया.

प्राकृतिक आपदा के कारण अनेक किसानों को कृषि के क्षेत्र में कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. बेमौसम बारिश, गीला सूखा, फसल पर लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों के कारण किसानों को फसल नहीं मिल पाती है. जिससे किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है. किसानों की मांग है कि सरकार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ मौसम की धान की फसल खरीदने वाले किसानों को फसल कटने तक बीमा मुहैया कराए. प्राकृतिक आपदाओं के कारण, किसानों को खरीफ सीजन में धान और अन्य फसलों की कटाई के दौरान कृषि क्षेत्र में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है.

बेमौसम बारिश, सूखा, फसलों पर लगने वाली विभिन्न प्रकार की बीमारियां आदि के कारण किसानों को अपना उत्पादन खोना पड़ता है. जिससे किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है. ऐसे में किसानों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने 2016 से राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना शुरू की है.

किसानों को मिले मुआवजा

इस योजना में खेतों में पानी जमा होने, बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने और ऐसी समस्या उत्पन्न होने पर प्रभावित किसानों का सर्वेक्षण किया जाएगा और उन्हें मुआवजा या दावा राशि मिलेगी. धान के डंठल जमीन पर गिरने से फसल खराब हो जाती है.

नए विधायक से सिंचाई की आस

> मध्यम परियोजना को शुरू करने पर प्रयास

गोंदिया.

जिले की सड़क अर्जुनी तहसील में सिंचाई व्यवस्था के लिए 25 साल पहले उमरझरी मध्यम परियोजना तैयार की गई थी. मध्यम परियोजना इस दृष्टि से बनाई गई थी कि तहसील में किसानों को सिंचाई प्रदान की जाएगी. ऐसे में किसानों का सपना है कि रबी और खरीफ की फसल की गारंटी होगी. लेकिन, किसानों को खेत की सिंचाई के लिए मध्यम परियोजना से पानी नहीं दिया गया. इससे किसानों की खेती में सिंचाई की सुविधा होगी क्या ? ऐसा सवाल किसानों ने भरी मतों से विजयी हुए अर्जुनी मोरगांव विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के इंजी. राजकुमार बड़ोले से किया है और कहा कि उक्त मध्यम परियोजना की सिंचाई क्षमता 50 हेक्टेयर तक है. मध्यम परियोजना के गहराईकरण से पुनः 20 से 25 हेक्टेयर कृषि सिंचाई हो सकेगी. इससे पूर्व नेताओं की अनदेखी के कारण गहराईकरण का काम नहीं हो पाया है. उमरझरी मध्यम परियोजना के सिंचाई क्षेत्र में नहरों की कमी के कारण किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है. मुख्य नहर के ध्वस्त होने से रिसाव की समस्या अधिक है और रबी फसल को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है. देखने में आ रहा है कि जगह-जगह लीकेज के कारण पानी बर्बाद हो रहा है. अधिकारियों को इसके लिए योजना बनाने की तत्काल आवश्यकता है. यदि मुख्य नहर को डोंगरगांव से ग्राम वड़ेगांव तक 3 किमी.

बढ़ा दिया जाए तो वड़ेगांववासियों की सिंचाई की समस्या हल हो जाएगी. पिछले 20 वर्षों से वडेगांव को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कई नेताओं के माध्यम से प्रयास किए गए. लेकिन इससे कोई मदद नहीं मिली. जन प्रतिनिधियों व अधिकारियों की उपेक्षा के कारण सिंचाई के लिए पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है. अब राजकुमार बडोले विधायक चुने गए है जिससे किसानों को उनसे अपेक्षा है कि वे इस ओर प्राथमिकता से ध्यान दें और सिंचाई की व्यवस्था को सुचारु रूप से लागू कर क्षेत्र को सुजलाम सुफलाम बनाएं.

वडेगांव क्षेत्र में कोई सुविधा नहीं

वडेगांव क्षेत्र में किसी भी प्रकार की सिंचाई की सुविधा न होने के कारण वे प्रकृति पर निर्भर रहकर ही खरीफ की फसल से संतुष्ट रहते हैं. ग्राम वाडेगांव के निकट केसलवाड़ा काला गोटा 1 व 2 पर बांध पर उपसा सिंचाई योजना स्थापित कर वडेगांव वासियों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाती. लेकिन वह समस्या भी पिछले 15 वर्षों से लंबित रहने के कारण अब सिंचाई की समस्या बरकरार होती दिख रही है.

महायुति के कब्जे में जिले की चारों सीटें

गोंदिया.

गोंदिया जिले के चारों विधानसभा क्षेत्र अर्जुनी मोरगांव, आमगांव, गोंदिया व तिरोड़ा का परिणाम 23 को घोषित किया गया. जिसमें चारों सीटें महायुति ने अपने कब्जे में ले ली है. गोंदिया विधानसभा क्षेत्र से महायुति भाजपा उम्मीदवार विनोद अग्रवाल ने 61,464 मतों से जीत हासिल की. अर्जुनी मोरगांव विधानसभा क्षेत्र में महायुति राष्ट्रवादी (अजीत गुट) के उम्मीदवार राजकुमार बडोले ने 16,599 मतों से जीत हासिल की. तिरोड़ा विधानसभा क्षेत्र के महायुति भाजपा के उम्मीदवार विजय रहांगडाले ने 42,628 मतों से जीत हासिल की. वहीं आमगांव विधानसभा क्षेत्र के महायुति भाजपा के उम्मीदवार संजय पुराम ने 32,426 मतों से जीत हासिल की. राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती 23 नवंबर सुबह 8 बजे से शुरू की गई. शुरुआत में पोस्टल मतगणना पहले की गई.

जिसमें भाजपा ने बढ़त बना ली. ईवीएम वोटों की गिनती शुरू की गई. वोटों की गिनती के पहले राउंड से ही भाजपा महागठबंधन के उम्मीदवारों ने जो बढ़त बनाई थी, उसे महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार कम नहीं कर पाए. जिससे इस चुनाव में महायुति की लाडली बहन योजना का असर साफ तौर पर महसूस किया गया. लाडली बहनों ने महायुति को एकतरफा मतदान किया. गोंदिया जिले की सभी चार सीटों पर महायुति के उम्मीदवार जीत की ओर बढ़ गए और उनकी जीत की घोषणा की गई. अग्रवाल के कार्यालय और आवास के सामने जुटे कार्यकर्ता जीत से आश्वस्त होने के बाद खुशी से झूम उठे. कांग्रेस के राजकुमार पुराम ने 77,402 मत लिए. पुराम ने 32,721 मतो से जीत हासिल की. तिरोड़ा से महायुति भाजपा के उम्मीदवार विजय रहांगडाले ने 95,057 मत लिए. रविकांत बोपचे ने 53,146 मत लिए. इस क्षेत्र से भाजपा के विजय रहांगडाले ने 41,911 मतों से जीत हासिल की.

जिले के चार विधानसभा क्षेत्र की समीक्षा

गोंदिया विस क्षेत्र में विनोद अग्रवाल को 1,41,896 मत मिले, जबकि कांग्रेस के गोपालदास अग्रवाल को 80,432. अ. मोरगांव से राजकुमार बडोले ने 82,506 मत लिए, तो कांग्रेस के दिलीप बंसोड ने 66,091 मत. इस क्षेत्र में राजकुमार बडोले ने 16,415 मतों से जीत हासिल की. आमगांव में संजय पुराम ने 1,10,123 मत लिए.

ठंड के मौसम में लहसुन के दाम छू रहे आसमान

गोंदिया.

> पत्तेदार सब्जियों व फलों के दामों में भी वृद्धि

ठंड के मौसम में सब्जियों का उत्पादन बढ़ जाता है, इसलिए इस मौसम में पत्तेदार सब्जियों और फलों की कीमतें अन्य मौसमों की तुलना में अधिक सस्ती होती हैं. लेकिन इस बार अनेक सब्जियों के दामों में वृद्धि देखी जा रही है. जिसमें बैंगन 60 रु. प्रति किलो की दर से बिक रहा है. इस साल बेमौसम बारिश के कारण सब्जियों पर कीटों का हमला हो गया है.

परिणामस्वरूप उत्पादन कम हो गया. सर्दी की शुरुआत में जिले के विभिन्न हिस्सों से स्थानीय बाजार में सब्जियों की आवक में वृद्धि हो रही है. हालांकि, इस साल बेमौसम बारिश के कारण कई जगहों पर सब्जियों की फसल को नुकसान हुआ है, क्योंकि बाजार में स्थानीय किसानों की उपज कम हो रही है और सब्जियों की कीमत दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है. बाजार में बैंगन, टमाटर, फूलगोभी, पत्तागोभी, हरी मिर्च, प्याज, अदरक, लहसुन जैसी तमाम सब्जियों के दाम बढ़ने से सभी आम योजनाएं ध्वस्त होने लगी हैं. जिसमें प्याज के दाम 50 रु. प्रति किलो तथा लहसुन 400 से 450 रु. प्रति किलो में बेची जा रही है. सर्दियों की शुरुआत में जिले के विभिन्न हिस्सों से स्थानीय सब्जियां आती हैं. लेकिन इस साल बेमौसम बारिश हुई. जिले में नहीं बल्कि उस क्षेत्र में जहां से अन्य सब्जियां आयात की जाती हैं. उस जगह पर बागवानी को भी बड़ा नुकसान हुआ है.

स्थानीय किसानों की उपज बाजार में कम

सब्जी की फसल बर्बाद होने से सब्जियों के दाम दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं. स्थानीय किसानों की उपज बाजार में कम है. फिलहाल टमाटर 50 रु. प्रति किलो, बैंगन 60 से 80 रु. प्रति किलो, पालक और मेथी 40 से 50 रु. प्रति किलो में बेची जा रही है. दिवाली के बाद, तहसील के किसान अपने खेत की सब्जियां बिक्री के लिए लाते हैं. पिछले साल सब्जियों के दाम पहुंच के भीतर थे. लेकिन इस साल सभी सब्जियों की कीमत कम से कम 60 से 80 रु. किलो है.

आजीविका की तलाश में युवा और किसान

घटते उत्पादन के कारण किसानों को आर्थिक तंगी

गोंदिया.

तहसील के किसान किसी न किसी कारण से शिकार हो रहे हैं. खेती पर अधिक खर्च और घटते उत्पादन के कारण किसानों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है. इसे सरकार की नीति कहा जाए या अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा, यह समझ में नहीं आ रहा है. किसानों की दुर्दशा देखकर तहसील के ग्रामीण इलाकों में यह तस्वीर देखने को मिल रही है कि किसानों के लड़कों ने खेती से पूरी तरह मुंह मोड़ लिया है. और काम की तलाश में बड़े शहरों की ओर भाग रहे हैं. किसानों को समय पर खेती की खरपतवार, धान की बुआई से लेकर धान की कटाई तक उर्वरकों का उपयोग करना पड़ता है. यह सब करने के लिए किसानों के पास समय पर पैसा होना जरूरी है, लेकिन किसानों को विभिन्न माध्यमों से लूटे जाने की तस्वीर सामने आ रही है. फर्जी बीज और कुछ कृषि केंद्र धान की फसल की ऐसी किस्में उपलब्ध कराते हैं जो 130 से 140 दिनों में निकल आती हैं. जिससे किसानों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है. तहसील के किसान साहूकारों के विभिन्न ऋणों के बोझ तले दबे हुए हैं. जिससे किसान ब्याज के चक्रव्यूह में फंसे हुए हैं. बेमौसम बारिश से धान की फसल बर्बाद होने और बढ़ते कर्ज या किसानों की धान की फसल की गारंटी नहीं मिलने से किसान परेशान हैं. यही कारण है कि किसान साहूकार से कर्ज लेने की दुविधा में पड़ जाते हैं. किसान इसका कारण सरकार की नीति बता रहे हैं.

संबंधित विभाग कर रहे लगातार अनदेखी

भले ही साहूकार उनके सामने कई शर्तें रखें. लेकिन किसान कर्ज स्वीकार कर खेती शुरू कर देता है. जिससे किसान संकट में है और इसका फायदा साहूकार उठा रहे हैं. इस तरह किसानों की लूट जारी है. किसान ठगे जा रहे हैं, लेकिन संबंधित विभाग इसे नजरअंदाज कर रहा है.

स्टार इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक महोत्सव

गोंदिया.

गोंदिया शिक्षण संस्था, गोंदिया द्वारा संचालित स्टार इंटरनेशनल स्कूल, गोंदिया में शाला के वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव का आयोजन शाला की प्रधानाचार्या रत्ना खन्ना के मार्गदर्शन में हर्षोल्लास पूर्वक किया गया. क्रीड़ा महोत्सव के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रामनग रामनगर थाने के पुलि पुलिस निरीक्षक प्रवीण बोरकुटे व शहर थाने के पुलिस निरीक्षक किशोर पर्वते आदि गणमान्य उपस्थित थे. छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत तथा नृत्य के द्वारा अतिथियों का स्वागत किया.

मुख्य अतिथियों द्वारा माता शारदा व शिक्षा महर्षि स्व. मनोहरभाई पटेल की प्रतिमा का पूजन तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. शाला के छात्र-छात्राओं ने मशाल प्रज्वलित कर क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आरंभ किया.

क्रीड़ा महोत्सव में शालेय छात्र-छात्राओं के लिए बस्टिंग बलून, लेमन एंड स्पून, बुक बलेंसिंग, मास पीटी, डक वाक, ट्युनल रेस, कंगारू बॉल रेस, मेट रेस, डिस कोन बलेंस, अम्ब्रेला ड्रिल्स, वेंटेस ड्रिल, बैट बॉल बलेंसिंग, एडवेंचर रेस, बैट एंड बॉल, सेक रेस, कोन कलेक्टिंग रेस, भाला फेंक, क्रिकेट, फुटबॉल आदि विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया.

शाला के सभी छात्र-छात्राओं ने खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया. उपस्थित अतिथिगण तथा अभिभावक छात्रों की खेल प्रतिभा को देख प्रफुल्लित हो उठे. तत्पश्चात अतिथियों ने प्रतियोगिताओं में विजयी छात्रों को मेडल तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया.

'एक हैं तो सेफ हैं' नारे ने बदला चुनावी माहौल

> हिंदू एकता का दिखा असर

नई दिल्ली.

लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद, बीजेपी ने महाराष्ट्र चुनाव में अपनी रणनीति बदल दी। मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण के कारण बीजेपी को कई सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। इस चुनाव के बीच प्रधानमंत्री ने एक नया नारा पेश किया `एक हैं तो सेफ हैं।` इस नारे की काफी चर्चा हुई। बीजेपी कार्यकर्ताओं में इस नारे में जोश भर दिया। इस नारे ने हिंदू वोटर्स को आकर्षित किया। इसके साथ ही, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने `बंटेंगे तो कटेंगे` का नारा दिया।

बीजेपी की ओर से आए इन दोनों ही नारों का इस चुनाव में गहरा

प्रभाव नजर आया। बीजेपी का यह कदम मुस्लिम धर्मगुरुओं की ओर से महाविकास अघाड़ी को वोट देने की अपील के बाद उठाया गया। नेशनल उलेमा काउंसिल, महाराष्ट्र और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य सज्जाद नोमानी ने सरकारी ठेकों में मुसलमानों के लिए कोटा और पुलिस बलों में भर्ती में प्राथमिकता जैसी मांग की।

बीजेपी ने इन मांगों को हिंदू विरोधी बताया और हिंदू एकता का आह्वान किया। चुनाव प्रचार के दौरान, बीजेपी ने सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता की सुरक्षा के लिए एकजुटता का आह्वान किया। पीएम मोदी ने कई रैलियों में 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा दोहराया। आरएसएस ने भी बीजेपी के इस अभियान का समर्थन किया। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अपने वार्षिक दशहरा भाषण में हिंदू एकता का आह्वान किया।

बीजेपी को आरएसएस का भी मिला साथ

मोहन भागवत ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हुए हमलों से सबक लेने का आग्रह किया। संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले ने भी `बंटेंगे तो कटेंगे` के नारे का इस्तेमाल किया। इस तरह बीजेपी ने महाराष्ट्र में मुस्लिम ध्रुवीकरण के जवाब में हिंदू वोटों को एकजुट करने की रणनीति अपनाई। इसका असर महाराष्ट्र के नतीजों में स्पष्ट तौर पर दिखा। बीजेपी ने इस बार बंपर जीत दर्ज करने में सफल रही। महायुति गठबंधन को 230 सीटें आई हैं।

ससुराल गई पत्नी तो आगबबूला हुआ पति

भोपाल.

मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले से एक दर्दनाक खबर सामने आई है जहां एक पिता ने ही अपने दो मासूम बच्चों को कुल्हाड़ी से काट डाला और पत्नी पर भी जानलेवा हमला कर दिया. हत्यारे पिता को लोगों ने रोका और पुलिस को खबर की. वारदात के दौरान आरोपी शख्स को भी चोटें लगी हैं. सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुची और घायल पति-पत्नी को हॉस्पिटल में भर्ती कराया है.

पुलिस ने शिकायत के आधार पर शख्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला बरला थाना क्षेत्र का है. पुलिस ने बताया कि यहां रहने वाली एक महिला की शादी कुछ सालों पहले महाराष्ट्र के जलगांव के गंवरिया में हुई थी. उनकी साधी के बाद दो बच्चे हुए जिनमें 5 साल का बेटा और 3 साल की बेटी थी.

संजय आए दिन अपनी पत्नी से झगड़ा करता रहता था जिससे वह तंग आकर अपने मायके आ गई थी. कुछ दिन बाद संजय भी अपने ससुराल पहुंचा और पत्नी से झगड़ा करने लगा.

पत्नी से झगड़ा करने के बाद संजय ने कुल्हाड़ी और उठाई और पत्नी पर हमला कर दिया. इसी बीच उसकी नजर वही पर मौजूद दोनों बच्चों पर पड़ी जिसके बाद संजय ने दोनों की हत्या कर दी. इसके बाद उसने अपनी पत्नी पर भी हमला कर दिया.

इस हमले में उसने पत्नी को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया है. इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने शख्स को जैसे तैसे काबू किया. पुलिस को सूचना दी गई है. पुलिस ने मौके पर पहुंच कर संजय और उसकी पत्नी को हॉस्पिटल में भर्ती कराया है.

शादियों में चोरी करने वाला गैंग सक्रिय

नई दिल्ली. `बैंड बाजा बारात` गैंग के गुर्गे नकली मेहमान बनकर शादियों में पहुंचते हैं और मौका देखते ही पल भर में माल पर हाथ साफ कर देते हैं. शादी में परिवार वाले इधर काम में व्यस्त हुए और उधर माल पल भर में चोरी हो जाता है.

शादियों के सीजन के बीच गुरुवार को राजस्थान के दो शहरों में चोरी की वारदात की खबर सामने आई है. जहां बदमाशों ने शादियों में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया और गहने व कैश से भरा बैग लेकर फरार हो गए. अब पुलिस मामले में तफ्तीश करने के लिए मैरिज हॉल में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में जुट गई है. राजधानी जयपुर में हाइवे स्थित मिरेकल मैरिज गार्डन में झोटवाड़ा निवासी श्रवण चौधरी के बेटे की सगाई समारोह का प्रोग्राम हो रहा था. इस दौरान स्टेज पर जाने के लिए उनकी बेटी हाथ में लगा बैग रिश्तेदार महिला के पास रखकर चली गई.

तभी दो बदमाश आए और नजर बचाकर कुर्सी के पास रखा बैग चुराकर ले गए. कुछ देर बाद जब लड़की लौटी तो बैग चोरी होने का पता चला. गहने-कैश का बैग चोरी की सूचना पर हरमाड़ा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की.

डेढ़ माह की बच्ची लावारिस अवस्था में मिली

सौंसर.

शहर के प्रभावती मानेकर स्कूल के पीछे सुबह रविवार को डेढ़ माह की बच्ची लावारिस अवस्था में मिली वहां पर सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए लोगों का घूमना शुरू हुआ तो किसी को बच्ची की आवाज सुनाई दी और उन्होंने तत्काल पीछे मुड़कर देखा तो डेढ़ माह की बच्ची झाड़ियां में पड़ी मिली इसकी सूचना सौसर पुलिस थाना को मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और बच्ची को सरकारी अस्पताल में भर्ती किया एवं स्वास्थ्य परीक्षण के लिए ले गया सौसर पुलिस ने बताया कि बच्ची का स्वास्थ्य परीक्षण के बाद बच्ची पूर्ण तरह स्वस्थ और सुरक्षित है वहीं इसकी सूचना छिंदवाड़ा बाल ग्रह को सूचित किया गया बच्ची स्वास्थ्य होने पर उसे छिंदवाड़ा बाल गृह भेजा जाएगा वहीं पुलिस

द्वारा अज्ञात माता-पिता के विरुद्ध मामला कायम किया गया और बच्ची के माता-पिता की खोज की जा रही है.

अब देश बर्दाश्त नहीं करेगा: गिरिराज सिंह

नई दिल्ली. बिहार के बेगूसराय में रविवार को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने संभल में हुई घटना पर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि अब देश इस तरह की घटना को बर्दाशत नहीं करेगा. इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर भी निशान साधा और कहा कि वो हर गलत चीज के साथ खड़े रहते हैं. दरअसल बेगूसराय में मीडिया ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से संभल में हुई घटना पर सवाल कर दिया. इस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि "संभल में जो एक समुदाय की ओर से हमला किया गया और वो भी सरकारी तंत्र पर, ये हमला सरकारी तंत्र पर नहीं बल्कि भारत के लोकतंत्र और कानून पर है, जिस पर उन्हें भरोसा नहीं है.

अब देश बर्दाश्त नहीं करेगा जिस ढंग से ये हमला किया गया है.

डासना मंदिर के बाहर फोर्स तैनात

नई दिल्ली.

देश की राजधानी दिल्ली में तौकीर राजा की प्रेस कांफ्रेंस से पहले डासना मंदिर के महंत और महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद सरस्वती के बयान से पुलिस टीम अलर्ट हो गई. नरसिंहानंद ने मौलाना तौकीर रजा की प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अपने समर्थकों के साथ दिल्ली में हनुमान चालीसा पढ़ने का ऐलान किया है. इसका एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें महामंडलेश्वर अपने समर्थकों के साथ दिल्ली जाने की बात कह रहे हैं. वीडियो वायरल होने के बाद गाजियाबाद पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया. उन्हें रोकने और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस और पीएसी के जवानों को मंदिर के पास लगाया गया है.

गाजियाबाद के डसना देवी मंदिर

के महंत और महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद सरस्वती ने तौकीर राजा की दिल्ली में होने वाली प्रेस कांफ्रेंस के बदले दिल्ली में हनुमान चालीसा पढ़ने की हुंकार भरी है. महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद सरस्वती अपने समर्थकों के साथ दिल्ली निकलने के लिए तैयारी कर रहे हैं. उन्होंने बयान देते हुए एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि 'तौकीर रजा तुम कितने ही कातिलों की फौज इकट्ठा कर लो, हम वहीं पर आएंगे. तुम हमें कत्ल करवा सकते हो मगर डरा नहीं सकते तुम जहां-जहां जाओगे हम वहीं पर आएंगे.

यति नरसिंहानंद सरस्वती ने तौकीर रजा को चुनौती देते हुए कहा है कि वह उनके घर आकर भी हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे. उन्होंने कहा है कि वक्फ के नाम पर गुंडागर्दी करना बंद करो. उन्होंने कहा कि तुम्हारे उतने ही अधिकार होने चाहिए, जितने पाकिस्तान में रह रहे हिंदुओं के हैं. तौकीर रजा को संबोधित करते हुए यति नरसिंहानंद ने कहा कि अब हमारे भी इरादे वहीं हैं, जो तुम्हारे इरादे हमारे मठ मंदिरों के लिए हैं. उन्होंने संभल में हुई पुलिस के ऊपर पत्थरबाजी की निंदा की.

वीडियो जब वायरल हुआ तो पुलिस ने भी उन्हें रोकने की पूरी तैयारी कर ली. संतो को दिल्ली जाने से रोकने के लिए भारी पुलिस बल मंदिर के पास तैनात किया गया है. पुलिस बल के साथ पीएसी को भी मंदिर के पास सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए तैनात किया गया. पुलिस ने सुरक्षा में लगे पुलिस कर्मियों को कहा है कि किसी पर लाठी नहीं चलानी है और किसी को यहां से आगे भी नहीं जाने देना है.

पुल से नदी में गिरी कार, 3 की मौत

> गूगल मैप ने दिया 'धोखा

नई दिल्ली.

उत्तर प्रदेश के बरेली में बड़ा हादसा हो गया, जहां निर्माणाधीन पुल से रामगंगा नदी में अचानक कार जा गिरी, जिसमें सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस बरेली के फरीदपुर थाने और बदायूं के दातागंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई. मौके पर पहुंची पुलिस ने कार को जेसीबी की मदद से नदी से बाहर निकाला.

कार में सवार तीनों लोगों की मौत होने के बाद हड़कंप मच गया. पुलिस

ने तीनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है. दरअसल यह हादसा जीपीएस नेविगेशन के चलते हुआ है. बताया जा रहा हैं कि पुल अधूरा है. बाढ़ के चलते पुल का अगला हिस्सा नदी में बह गया था, जिस वजह से तेज रफ्तार कार सीधे पुल से नीचे जा गिरी.

फिलहाल मौके पर भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है. ये हादसा इतना खतरनाक था कि कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. कार से शवों को जेसीबी की मदद से बाहर निकाला गया.

हादसे की खबर सुनकर आसपास के ग्रामीण भी मौके इकट्ठे हो गए और भारी भीड़ जुड़ गई, जिस वजह से लंबा जाम भी लग गया.

हम अक्सर गूगल मैप की मदद से एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं. इस हादसे में भी कार सवार युवक गूगल मैप का इस्तेमाल कर अपने किसी रिश्तेदार के यहां शादी में जा रहे थे. गूगल मैप पर गलत रास्ता दिखाए जाने से उनकी कार पुल से नीचे जा गरी और तीनों लोगों की मौत हो गई. तीनों मृतकों की पहचान हो गई है. इस हादसे में जान गंवाने वाले विवेक और कौशल कुमार दोनों भाई थे और उनके साथ तीसरा शख्स उनका दोस्त था. उनके परिवार वालों को जानकारी दे दी गई है.

राजस्थान में भालुओं का आतंक

जयपुर. राजस्थान के सवाई माधोपुर स्थित रणथंभौर टाइगर रिजर्व में टाइगर के साथ पैंथर, लेपर्ड और भालुओं की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है. रणथंभौर से सटे गांवों में जहां कई बार टाइगर मूवमेंट देखी जाती है. वहीं अब टाईगर के बाद पैंथर, लेपर्ड और भालुओं की मूवमेंट भी आबादी वाले क्षेत्रों देखी जाने लगी है. रणथंभौर से सटे खंडार क्षेत्र के कई गांवों में भालू रात के समय रणथंभौर के जंगलों से निकल कर आबादी वाले क्षेत्र में घुस आते हैं, जिससे गांव वालों में दहशत बनी रहती है.पिछले करीब 10-15 दिनों से रणथंभौर से सटे खंडार क्षेत्र के तलावड़ा के गोठ बिहारी गांव में भालू के भ्रमण से ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है.

नवदुर्गा टेकड़ी धाम में भव्य गोपाल काला कीर्तन

सौंसर.विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोपरावाड़ी कला स्थित नवदुर्गा टेकड़ी धाम में आयोजित भव्य गोपाल काला कीर्तन सोहला कार्यक्रम में क्षेत्र के विधायक विजय चौरे सम्मिलित हुए बाल कीर्तनकार माऊली महाराज जाहुरकर का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा विधिवत पूजन-अर्चन कर क्षेत्रवासियों की सुख,शांति एवं समृद्धि की कामना की।

समर्थकों को रोकने पर भड़के अखिलेश

लखनऊ.

उत्तर प्रदेश में हुए उपचुनाव के नतीजों के बाद धांधली के आरोप लगाए जा रहे हैं. समाजवादी पार्टी ने सीधे तौर पर कुंदरकी विधानसभा सीट के परिणाम पर सवाल उठाए हैं. समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता इसके विरोध में मुरादाबाद से लखनऊ जा रहे थे. जिन्हें सीतापुर जिले की खैराबाद पुलिस ने शनिवार देर रात हिरासत में ले लिया, बताया जा रहा है कि पुलिस ने पार्टी के करीब 35 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है. अब इस मामले को लेकर पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने नाराजगी जाहिर करते हुए बीजेपी की निंदा की है. अखिलेश यादव ने राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट समेत अन्य संस्थाओं से अपील की कि वो इस मामले का बिना देर किए फौरन संज्ञान लें और यह सुनिश्चित करें कि जो लोग अपने मताधिकार के लिए आवाज उठाना चाहते हैं, उत्तर प्रदेश की बीजेपी सरकार उनके साथ कोई अन्याय या फिर

किसी भी तरह का अत्याचार न कर सके.

अखिलेश ने राष्ट्रपति समेत अन्य संस्थाओं से की अपील

अखिलेश ने रविवार 24 नवंबर को सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि 'कुंदरकी में जिन लोगों को सरेआम वोट डालने से रोका गया या जिनके वोट किसी और ने डाल दिए, वो सब लोग अपने साथ हुए अन्याय को बताने के लिए लखनऊ की तरफ जा रहे थे, क्योंकि स्थानीय स्तर पर उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही थी' इससे आगे सपा प्रमुख ने कहा 'इससे बीजेपी के चुनावी घपले का भंडाफोड़ हो जाता, इसलिए बीच रास्ते में ही लोगों को सीतापुर में पुलिस ने रोक लिया'

स्पोर्ट्स चैम्पियन प्रतियोगिता आयोजित

सौंसर.

प्राइवेट स्कूल संघ सौसर तत्वाधान में खेलो इंडिया स्पोर्ट्स चेम्पियन

खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित द्वितीय चरण अंतर्गत खेले जा रहे खेलों में को खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन सौसर प्राईवेट नागपुर रोड स्थित स्कूल में किया गया। इस प्रतियोगिता खेलों इंडिया स्पोर्ट्स चेम्पियन प्रतियोगिता शुभारंभ के मुख्य अतिथि अनुविभागीय पुलिस अधिकारी नागर साहब एवं विकास खंड श्रोत समन्वयक यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा की पूजा अर्चना से हुआ, समस्त शालाओं के संचालकों ने अतिथियों का स्वागत बैच लगाकर किया खो खो खिलाड़ियों ने अतिथियों का स्वागत-सत्कार छात्रों द्वारा फुलों कि वर्षा से भव्य स्वागत किया गया और एस डी ओ पी नागर साहब द्वारा छात्रों को खेलकूद प्रतियोगिता प्रोत्साहित करते हुए एस डी ओ पी नागर साहब ने अपने उद्बोधन में कहा कि छात्र जीवन में शिक्षा के साथ खेलो का भी महत्व होता है जिससे शारीरिक तंदुरुस्ती तथा स्फूर्ति बनी रहती है,

खेल भी हमारे जीवन का एक आवश्यक भाग है। खेलो से भी अपना भविष्य संवारा जा सकता है जिसके अनेक उदाहरण देश में है। उन्होंने खेलों के इस आयोजन के लिए सभी संचालकों का प्रशंसात्मक साधुवाद भी किया। बी आर सी साहब ने भी कहा कि ऐसे खेलो के आयोजन हमेशा होते रहने चाहिए जिससे छात्रों में जीतने का उत्साह व प्रतियोगी भावना, खेल भावना, तथा समूह में कार्य करने की भावना का निर्माण होता है।

अतिथियों ने सभी खिलाड़ियों का परिचय किया हाथ मिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता का प्रथम मैच अंडर -17 (छात्राएं) लिटिल स्टेप स्कूल बोरगांव तथा स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर सौसर के बीच खेला गया जिसका टॉस स्वयं एस डी ओ पी साहब ने सिक्का उछालकर किया।

उदघाटन मैच में विजेता लिटिल स्टेप स्कूल बोरगांव की टीम विजेता रही, दोनो टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया, जिसमे आपसी सौहाद्र एवं खेल भावना का परिचय दिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से संकल्प हायर सेकेण्डरी स्कूल सौसर के संचालक राजेंद्र निमकर, लिटिल स्टेप स्कूल के संस्थापक प्राचार्य अनिल खाम्बोलकर, गुरुकुल विद्या निकेतन के संचालक सदाशिव खंडाइत, स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर के संचालकमारोतराव बुले, सौसर पब्लिक स्कूल के संचालक नरेश आकोटकर, छत्रपति शिवाजी महाराज स्कूल के संचालक आशीष ठाकरे, राजीव गांधी स्कूल की संचालिका मोना करवंदे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। उदघाटन समारोह का सफल मंच संचालन सौसर पब्लिक स्कूल के प्राचार्य घनश्याम सनेसर ने किया।

सोरेन ने सरकार बनाने का पेश किया दावा

नई दिल्ली. झारखंड विधानसभा चुनाव में जीत के बाद हेमंत सोरेन को इंडिया गठबंधन का नेता चुना गया. उसके बाद हेमंत सोरेन राजभवन में राज्यपाल से मिलने पहुंचे. पहले हेमंत सोरेन ने राज्यपाल संतोष गंगवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा पत्र दिया और फिर सरकार बनाने का दावा पेश करते हुए विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा. झारखंड विधानसभा चुनाव में 81 में से 56 सीटों पर जीत दर्ज करने के एक दिन बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में रविवार को यहां इंडिया ब्लॉक की बैठक हुई. उस बैठक में उन्हें नेता चुना गया.कांग्रेस नेता सुबोधकांत सहाय ने कहा कि इंडिया ब्लॉक की सहयोगी पार्टियों ने हेमंत सोरेन को विधायक दल का नेता चुना है. चुनाव से पहले से ही वह विधिवत नेता थे. रविवार को चारों पार्टी के विधायकों ने अपना नेता चुन लिया. वह संभावित रूप से 28 नवंबर को शपथ ले सकते हैं.राज्यपाल से मिलने के बाद हेमंत सोरेन ने कहा कि आज महागठबंधन की ओर से नये सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू किया.

शुभांक

श्रीदेवी	367-6	780-5
श्रीदेवी नाईट	247-3	149-4